

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 8

अपनों के पत्र

भाग – 1

मिताली कुमारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



सर्दी का मौसम है। गौतम और गीतांजलि आँगन में खेल रहे हैं। उन्हें अपने पिताजी की याद सता रही है। वे भारतीय स्थल सेना में नौकरी करते हैं। हाल ही में उनका अरुणाचल प्रदेश में तबादला हुआ है। काफी दिनों के बाद उनके पिताजी से एक चिट्ठी आई। एकाएक गीतांजलि चिल्लाने लगी, "चिट्ठी आई चिट्ठी आई।" डाकिए ने गौतम को एक लिफाफा दिया। दोनों चिट्ठी निकालकर पढ़ने लगे।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प्यारे तवाङ

गौतम और गीतांजलि, 20.12.2011

मेरा प्यार व आशीर्वाद लेना। तुमलोगों की चिट्ठी मुझे बहुत पहले ही मिल चुकी थी। परंतु जवाब लिखने के बाद भी चिट्ठी भेज नहीं पा रहा था। यहाँ मेरी खैरियत ही है। उम्मीद है कि घर में सभी सकुशल हैं। कुछ दिन पहले मेरी ड्यूटी भारत-चीन सीमा पर लगी है। तुम्हें यह जानकर हैरानी होगी कि वहाँ से टेलीफोन करना तो दूर की बात, चिट्ठी भेजना भी आसान नहीं है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

ओह ! मैं तो भूल ही गया था, तुम लोगों ने अपनी चिट्ठी में अरुणाचल प्रदेश के बारे में पूछा था। जानते हो इसके प्राकृतिक सौंदर्य को देखे बिना तुमलोग शायद ही इसकी कल्पना कर सकोगे। पूरा प्रदेश पहाड़ों से भरा है। चारों ओर हरियाली ही हरियाली है। तुम लोगों को यह जानकर खुशी होगी कि यहाँ आकर मुझे किसी से बातचीत करने में तकलीफ ही नहीं हुई है। राजधानी इटानगर समेत पूरे राज्य में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी ही प्रचलित है। हालाँकि यहाँ की कार्यालयीन भाषा अंग्रेजी है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

बच्चो, सबसे दिलचस्प बात तो यह है कि यहाँ कई दर्शनीय स्थल हैं। तावाङ, बोमडिला, टिपि, भालुकपुंग, इटानगर, जिरो, आलंग आदि ढेर सारे दर्शनीय स्थलों का आगार है अरुणाचल ।

तावाङशहर भी किसी दृष्टि से कम नहीं। वहाँ का बौद्ध मंदिर करीब 400 साल पुराना है। उस मंदिर में दिसंबर-जनवरी महीने में बड़ा उत्सव होता है। देश-विदेश के पर्यटक यहाँ आकर जमा होते हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जानते हो तवाङ पहुँचने के लिए विश्व के दूसरे सबसे ऊँचे सी-ला पास पार होकर जाना पड़ता है। उसकी एक फोटो भी भेज रहा हूँ। तवाङ से कुछ ही दूरी पर भारत-चीन सीमा है, यानी सीमा पार चीन है। यहीं मेरी ड्यूटी लगी है।

टिपि आर्किडों से भरा एक अविस्मरणीय स्थल है। भालुकपुंग में तो तुमलोग पिछली बार पिकनिक मनाने आए थे। भालुकपुंग पौराणिक कथा से जुड़ा एक पर्यटन स्थल है। वहाँ राजा वाण के पोते भालुक ने अपनी राजधानी बनवाई थी।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

बच्चो, तुमलोगों को एक बार अरुणाचल प्रदेश घुमाने जरूर ले आऊँगा। बस आज यहीं खत्म करता हूँ। हाँ, अंत में मेरा प्यार तुम्हारी माँ को भी देना।



तुम्हारे पिताजी